

VIRAAJ

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)
2023 पर आधारित

नव विद्यान

हिंदी पाठ्यपुस्तक



2



Lesson Plan



Digital Content



Questions Paper Generator



Flip Books

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : सूरज की लाली

कवयित्री : कुंकुम चतुर्वेदी

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को कविता के भाव, उद्देश्य व प्रेरणा से परिचित कराना ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी कराना ।
3. शब्दों के अर्थ व उनका विभिन्न रूपों में प्रयोग सिखाना ।
4. प्रकृति के प्रति प्रेम जाग्रत कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना ।
भाषा के विभिन्न रूपों से परिचय ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम व प्रातःकाल के दृश्य को दिखाते चित्र, चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वर्णमाला, शब्द, वाक्य पढ़ने, लिखने, बोलने का अभ्यास हो चुका है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
	आज हम आपको कविता 'सूरज की लाली' का अर्थ, भाव समझाएँगे । इस कविता की रचयिता कुंकुम चतुर्वेदी हैं । इस कविता में कवयित्री ने प्रातः काल की सुंदर बेला का वर्णन किया है ।	



1.	प्रातः काल से आप क्या समझते हैं ?	प्रातः काल का अर्थ है सुबह का समय ।
2.	प्रातः काल होते ही आकाश कैसा हो जाता है ?	प्रातः काल होते ही आकाश में सूर्य की लाली छा जाती है ।
3.	प्रभात काल में सबसे पहले हमें क्या करना चाहिए ?	प्रातः काल में सबसे पहले हमें ईश्वर को याद करना चाहिए ।

उद्देश्य कथन : आज हम लोग जिस कविता को पढ़ेंगे वह सूरज के उदय होने के बाद प्रकृति में आए परिवर्तन को दर्शाती है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- पाठ्य वस्तु** : कविता 'सूरज की लाली'
- आदर्श वाचन** : शिक्षक प्रभात काल के कुछ दृश्यों के चित्र विद्यार्थियों को दिखाएँगे ।
कविता का सस्वर वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक का अनुकरण करते हुए कविता का पाठ करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापिका विद्यार्थियों से स्वयं कविता पाठ करवाएँगी ।
- उच्चारण संशोधन** : जहाँ भी उच्चारण दोष होगा अध्यापिका, स्वयं उदाहरण देकर संशोधन करवाएँगी ।
- स्पष्टीकरण** : प्रातः की बेला आते ही सूरज उदय होने लगता है । उसकी लालिमा, अर्थात् लाल रंग आकाश में दिखता है । रात्रि का अंधकार सिमट जाता है । यहाँ निशा के काले वस्त्रों का तात्पर्य रात के अंधेरे से है । चाँद और तारे दिखने बंद हो जाते हैं । चारों दिशाओं में सुंदर हवा चलने लगती है । सूर्य का प्रकाश पाकर पौधे भी खिल जाते हैं । सभी लोग आलस छोड़कर निकल पड़ते हैं । मनुष्य ही नहीं पक्षी भी अपने बच्चों के लिए अन्न की खोज में निकल पड़ते हैं । प्रातः काल में सभी को आलस्य छोड़ कर अपने-अपने कार्यों में लग जाना चाहिए ।

बोध प्रश्न :

1. चाँद और तारे कब दिखते हैं ?
2. पेड़-पौधे किसके प्रकाश से हरे दिखते हैं ?
3. सपने कैसे पूरे हो सकते हैं ?



श्यामपट्ट कार्य : अध्यापिका कठिन शब्दों को विद्यार्थियों को लिखकर दिखाएँगी । शब्दों के अर्थ भी याद कराएँगी । तत्पश्चात् विद्यार्थियों से एक-एक कर श्यामपट्ट पर लिखने को कहेंगी । इसी प्रकार बोध प्रश्नों के उत्तर पूछेंगी । उनको सही उत्तर भी बताएँगी ।

पाठ के कठिन शब्दों को श्रुतलेख में भी बोलेंगी ।

अवलोकन कार्य : विद्यार्थी जब कार्य करेंगे, अध्यापिका सतत निरीक्षण करेंगी । त्रुटियों का संशोधन भी करवाएँगी ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : कविता 'सूरज की लाली' का अभ्यास कार्य ।

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्

सहायक सामग्री : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को कविता के अर्थ का ज्ञान हो गया है । कठिन शब्दों के अर्थ भी उनको ज्ञात हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	कविता में किस समय को सुंदर बताया गया है ?	कविता में प्रातः काल को सुंदर बताया गया है ।
2.	प्रातः काल में कैसी हवा बहती है ?	प्रातः काल में सुहावना मौसम होता है । ठंडी सी हवा बहती है ।
3.	स्वप्न पूरे करने के लिए क्या करना होगा ?	स्वप्न पूरे तभी होंगे जब उसके लिए परिश्रम किया जाए ।

कक्षा कार्य : **लिखित** – अध्यापिका लिखित प्रश्नों के उत्तर-पुस्तिका में सावधानीपूर्वक लिखने को कहेंगी ।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर चिह्न लगाकर पूरा करवाएँगी ।

विद्यार्थी प्रश्न 3 में रिक्त स्थान में पंक्तियाँ पूरी करेंगे ।

प्रश्न 4 में सही/गलत के चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 5 कराते हुए पहले विद्यार्थियों से अपने विचार मौखिक रूप से प्रकट करने को कहेंगी । तत्पश्चात् छात्र उत्तर लिखेंगे ।



भाषा का जादू –

छात्र शब्दों को उचित मात्रा लगाकर पूरा करेंगे ।

संयुक्ताक्षरों से नए शब्द सोचकर लिखेंगे ।

प्रश्न 3 को उदाहरण देकर स्पष्ट करेंगे ।

अध्यापिका इसी प्रकार प्रश्न 4 को स्पष्ट करते हुए गोला लगाने को कहें ।

अवलोकन कार्य : अध्यापिका कक्षा कार्य का सतत निरीक्षण करेंगी । जहाँ विद्यार्थियों को असुविधा हो वहाँ उनकी सहायता करेंगी ।

संशोधन कार्य : जहाँ त्रुटियाँ हैं उनका सुधार भी करवाएँगी ।

गृह कार्य :

- छात्र प्रश्न 5 का उत्तर लिखें ।
- रचनात्मक कौशल में दिए चित्र में रंग भरेंगे ।
- कविता को कंठस्थ करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता के माध्यम में प्रभात काल के सौंदर्य को समझा ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी हुई ।
3. विलोम शब्दों को जाना ।
4. चारों दिशाओं का ज्ञान हुआ ।
5. वृक्ष के भागों के नाम जानें तथा रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. अध्यापक प्रश्न 5 के उत्तर मौखिक रूप से पूछेंगे ।
2. विद्यार्थियों को चारों दिशाओं की जानकारी देंगे । सूरज किस दिशा में उगता है किस दिशा में डूबता है बताएँ ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : पाठ 'चेतक'

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से राणा प्रताप के प्रिय अश्व 'चेतक' की वीरता और अटूट स्वामिभक्ति से परिचित कराना ।
2. इतिहास व संस्कृति से विद्यार्थियों का परिचय ।
3. नवीन शब्दों, उनके अर्थ व प्रयोग का ज्ञान कराना ।
4. पशु-पक्षियों की बोली तथा उनके विषय में सामान्य ज्ञान कराना ।
5. रचनात्मक कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना ।

भाषा ज्ञान का विस्तार ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वाक्यों को पढ़ने, उनके अर्थ को ग्रहण करने का ज्ञान हो गया है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आपने राणा प्रताप का नाम सुना है ? कौन थे वे ?	राणा प्रताप एक वीर शासक थे ।
2.	कौन से ऐसे पशु हैं जो अपनी वफ़ादारी या स्वामिभक्ति के लिए जाने जाते हैं ?	कुत्ता और घोड़ा
3.	पहले युद्ध किस पर सवार होकर किया जाता था ?	प्राचीन काल में घोड़े और हाथी पर बैठकर युद्ध होता था ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको उन घटनाओं के विषय में बताएँगे, जिनसे पता चलता है कि चेतक कितना बहादुर, निडर और स्वामिभक्त था ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

पाठ्य वस्तु : चेतक
आदर्श वाचन : अध्यापिका पाठ का वाचन करते हुए बताएँगी कि चेतक किस प्रकार राणा के पास आया था और कैसे उसने राणा की जान बचाई ।
अनुकरण वाचन : अध्यापिका, विद्यार्थियों से भी पाठ का वाचन करवाएँगी । कठिन शब्दों का उच्चारण बताएँगी ।
सस्वर वाचन : विद्यार्थी बताए गए अंशों का सस्वर पाठ करेंगे ।
उच्चारण संशोधन : जहाँ भी उच्चारण की त्रुटियाँ हैं उनका सुधार भी करवाएँगी ।
स्पष्टीकरण : पाठ का अर्थ, भाव ग्रहण तथा मौखिक प्रश्नों के उत्तर पूछे जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. जब राणा जंगल में अकेले गए थे तब चेतक ने शेर से राणा को कैसे बचाया ?
2. चेतक के चेहरे पर किसका मुखौटा लगा देते थे ?
3. चेतक की मृत्यु कैसे हो गई थी ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापिका कठिन शब्दों को एक-एक कर विद्यार्थियों से श्यामपट्ट पर लिखवाएँगी ।
इसी प्रकार शब्दार्थ भी श्यामपट्ट पर लिखे जाएँगे ।
त्रुटियों का संशोधन करवाएँगी ।
उत्तर-पुस्तिका में श्रुतलेख लिखवाएँगी ।
अवलोकन कार्य : अध्यापिका कक्षा का निरीक्षण करती रहेंगी । त्रुटियों का संशोधन भी करवाएँगी ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : पाठ 'चेतक' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्
सहायक सामग्री : पूर्ववत्
पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ, कठिन शब्दों का लेखन तथा अर्थ समझ आ चुका है ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	चेतक किसका घोड़ा था ?	चेतक राणा प्रताप का घोड़ा था ।
2.	चेतक के साथ आए अन्य अश्वों के क्या नाम थे ?	चेतक के साथ आए अन्य अश्वों के नाम अटक व त्राटक थे ।
3.	राणा युद्ध क्षेत्र से क्यों चले गए थे ?	राणा बुरी तरह घायल हो गए थे, उनके प्राण बचाना ज़रूरी था अतः अपने सरदार के कहने पर वे युद्ध क्षेत्र से चले गए ।

कक्षा कार्य : लिखित –

विद्यार्थी पुस्तक में दिए प्रश्नों के सावधानी पूर्वक उत्तर लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में उचित विकल्प पर सही का चिह्न लगाएँगे । प्रश्न 3 में रिक्त स्थान पूर्ति करेंगे । प्रश्न 4 में चित्र देखकर उसका वर्णन करेंगे ।

कल्पना के पंख के अंतर्गत अपने विचारों को लिखेंगे ।

भाषा का जादू –

विद्यार्थी चित्र देखकर पशु का स्त्रीलिंग लिखेंगे । प्रश्न 2 में विलोम शब्द लिखेंगे । प्रश्न 3 में शब्द सीढ़ी को पूरा करेंगे । प्रश्न 4 में वर्तनी शुद्ध करेंगे तथा प्रश्न 5 में पशुओं की बोली पहचान कर लिखेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापिका बराबर निरीक्षण करेंगी । यदि किसी विद्यार्थी को असुविधा हो तो उसकी मदद करेंगी ।

गृह कार्य :

- छात्र शब्दार्थ याद करेंगे । रचनात्मक कौशल में दी पंक्तियों के आधार पर कहानी को पूरा करेंगे । तथा चित्र में रंग भी भरेंगे । समस्त पाठ को दोहराएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. भारत के इतिहास का परिचय प्राप्त किया ।
2. नवीन शब्दों का ज्ञान तथा वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास हुआ ।
3. विश्लेषणात्मक, निर्णयन क्षमता का विकास हुआ ।
4. रचनात्मक तथा विचार अभिव्यक्त करने के कौशल का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

घोड़े के विषय में अतिरिक्त जानकारी अध्यापिका देंगी ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	नाटक	1	45 मिनट

प्रकरण : आँगन में गौरैया (नाटक)

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों में पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम व सहृदयता उत्पन्न करना ।
2. हिंदी भाषा के नवीन शब्दों की जानकारी प्राप्त करना ।
3. नाटक विधा का ज्ञान कराना ।
4. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
भाषा ज्ञान का विस्तार ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को पशु-पक्षियों के विषय में सामान्य जानकारी है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	तुम्हारे घर के आसपास कौन से पक्षी दिखाई देते हैं ?	गौरैया, तोता, कौआ
2.	गौरैया कैसे रंग की होती है ?	गौरैया भूरे रंग की होती है ।
3.	क्या आपने गौरैया को दाना चुगते देखा है ?	हाँ, ये चोंच से छोटे-छोटे चावल उठाकर खाती हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम अपने घर के आसपास रहने वाले पक्षी गौरैया के विषय में बताएँगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

पाठ्य वस्तु	: नाटक 'आँगन में गौरैया'
आदर्श वाचन	: शिक्षक गौरैया का चित्र विद्यार्थियों को दिखाएँगे । नाटक का वाचन वाक अभिनय द्वारा करेंगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक के बाद विद्यार्थियों द्वारा वाचन यथापूर्व करेंगे ।
सस्वर वाचन	: विद्यार्थी एक-एक कर पाठ को पढ़ेंगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक उच्चारण की त्रुटियों को दूर कराएँगे ।
स्पष्टीकरण	: अध्यापक स्पष्ट करेंगे कि प्रकृति से जुड़ी वस्तु का हमारे लिए उपयोग है । नन्हा सा पक्षी भी पर्यावरण के लिए लाभकारी है । इसीलिए दादी, रोहित और मधुरा को गौरैया के घोंसले को हटाने को मना करती हैं । दादी गौरैया के आकार, रंग की जानकारी भी देती हैं । रोहित की माँ रंभा और पिता मोहन भी बताते हैं कि गौरैया किस प्रकार लाभप्रद है तथा गौरैया की संख्या में क्यों कमी हो रही है ।

बोध प्रश्न :

1. कैसे पहचानेंगे कि ये गौरैया है ?
2. गौरैया दाने के अलावा क्या खाती है ?
3. गौरैया दिवस क्यों मनाते हैं ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापिका कठिन शब्दों को सावधानी पूर्वक पढ़ने का आदेश देगे । तत्पश्चात् उन्हें श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । इसी प्रकार शब्दों के अर्थ भी छात्र एक-एक कर लिखेंगे । अध्यापक उत्तर-पुस्तिका में भी श्रुतलेख लिखवाएँगे ।
-----------------	---

अवलोकन कार्य	: कार्य करते समय अध्यापक सभी छात्रों को श्यामपट्ट पर कार्य करने का मौका देंगे । त्रुटियों का संशोधन भी करवाएँगे ।
--------------	---

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: पाठ 'आँगन में गौरैया' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ समझ आ गया है । वे कठिन शब्द, शब्दार्थ जानते हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	घास-फूस कहाँ जमा हो गई थी ?	घास-फूस छत पर जमा हो गई थी ।
2.	गौरैया के पंख और चोंच कैसी होती है ?	गौरैया के पंख छोटे और चोंच पीली होती है ।
3.	गौरैया दिवस कब मनाते हैं ?	गौरैया दिवस 20 मार्च को मनाते हैं ?

कक्षा कार्य : लिखित –

छात्र पुस्तक में प्रश्न 1 में प्रश्नों के उत्तर स्वयं लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में सही विकल्प पर सही का चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 3 में संक्षिप्त उत्तर देंगे ।

प्रश्न 4 में सही गलत के चिह्न लगाएँ ।

‘कल्पना के पंख’ में दिए प्रश्न के विषय में अध्यापक विद्यार्थियों के साथ-साथ पहले चर्चा करेंगे ।

भाषा का जादू –

छात्र वर्ण जोड़कर शब्द लिखेंगे । मात्रा लगाकर शब्द पूर्ण करेंगे । समानार्थी शब्द लिखेंगे । प्रश्न 4 में बहुवचन के सही रूप पर गोला खींचेंगे ।

गणितीय प्रश्न को अध्यापक समझाकर उत्तर लिखने देंगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक प्रत्येक विद्यार्थी के कार्य का निरीक्षण करेंगे । उनको स्पष्ट व सुलेख लिखने के लिए प्रेरित करेंगे । नहीं समझ आने पर धैर्य पूर्वक समझाएँगे । त्रुटियों का सुधार उत्तर-पुस्तिका में करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- शब्दार्थ याद करेंगे ।
- किसी एक पक्षी का चित्र बनाकर रंग भरेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पर्यावरण के लिए उपयोगी एक पक्षी के विषय में ज्ञान प्राप्त हुआ ।
2. शाब्दिक योग्यता का विकास हुआ ।
3. नाटक के संवादों को बोलना सीखा ।
4. सामान्य ज्ञान व रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

विद्यार्थियों को गौरैया से संबंधित अन्य जानकारी भी देंगे । उनके साथ जलचर और नभचर पक्षियों के विषय में चर्चा करेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : खट्टे हैं अंगूर (कविता)

कवयित्री : श्री हरिवंश राय बच्चन

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से प्रख्यात कवि की रचना से अवगत कराना ।
2. लोमड़ी के प्रयास और उसके द्वारा व्यक्त भाव का परिचय कराना ।
3. सामान्य व्याकरण का ज्ञान ।
4. भाषा ज्ञान का विस्तार ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
साहित्य की एक विधा कविता का आनंद प्राप्त कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, एनीमेशन द्वारा कविता का प्रस्तुतिकरण कराना ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वाक्य पढ़ने का अभ्यास हो चुका है । वे लोमड़ी और अंगूर की कहानी से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	किन्हीं पाँच फलों का नाम बताइए ?	अमरुद, केला, अनार, अंगूर, आम
2.	अगर कोई वस्तु ऊँचाई पर है तो उसे लेने की चेष्टा करनी चाहिए या नहीं ?	नहीं, ऐसा करने से चोट लग सकती है ।
3.	क्या लोमड़ी को किसी की सहायता लेनी चाहिए थी ?	हाँ, उसे जिराफ़ से सहायता लेनी चाहिए थी ।

उद्देश्य कथन : बच्चों ! आज हम लोमड़ी और अंगूर की कहानी कविता के रूप में पढ़ेंगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- पाठ्य वस्तु** : कविता 'खट्ठे हैं अंगूर'
आदर्श वाचन : शिक्षक कविता में दिए चित्र को विद्यार्थियों को दिखाकर पूछेंगे कि ये चित्र देखकर उनके मन में क्या भाव आए । शिक्षक कविता का पाठ करेंगे ।
अनुकरण वाचन : विद्यार्थी भी साथ-साथ अनुकरण करेंगे ।
सस्वर वाचन : सभी विद्यार्थी एक साथ कविता का पाठ सस्वर करेंगे ।
उच्चारण संशोधन : यदि कहीं उच्चारण दोष होगा तो शिक्षक सुधार करेंगे ।
स्पष्टीकरण : अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करेंगे । कविता का अर्थ बताएँगे साथ ही बीच में पूछे प्रश्नों के उत्तर भी पूछेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. अंगूर कहाँ पर लगे थे ?
2. लोमड़ी ने अंगूर तक पहुँचने के लिए क्या प्रयास किया ?
3. अगर लोमड़ी की जगह आप होते तो क्या करते ?

- श्यामपट्ट कार्य** : शिक्षक श्यामपट्ट पर कठिन शब्द छात्रों से लिखवाएँगे । इसी प्रकार शब्दों के अर्थ भी लिखने का आदेश देंगे । इसी प्रकार श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका में लिखवाएँगे ।
अवलोकन कार्य : कार्य करते समय अध्यापक सभी विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर दें । त्रुटियों का सुधार भी करवाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'आँगन में गौरैया' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्
सहायक सामग्री : पूर्ववत्
पूर्वज्ञान : छात्रों को कविता के अर्थ का ज्ञान हो चुका है । वे शब्दों की वर्तनी व उच्चारण से परिचित हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	लोमड़ी पालतू पशु है या जंगल में रहने वाला पशु	जंगल में रहने वाला पशु
2.	लोमड़ी अंगूर खाने को क्यों व्याकुल थी ?	वह भूखी थी ।
3.	अंगूर न मिलने पर उसने क्या सोचा ?	उसने मन को समझाया कि अंगूर खट्टे हैं ।

कक्षा कार्य : लिखित –

छात्र प्रश्न 1 में पुस्तक में दिए प्रश्नों के उत्तर सुलेख में लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में सही विकल्प खोजकर चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 3 घटनाक्रमानुसार अंक डालेंगे ।

प्रश्न 4 में अगली पंक्ति स्वयं बनाकर लिखेंगे ।

प्रश्न 5 अध्यापिका इस प्रश्न पर पहले विद्यार्थियों से चर्चा करेंगी ।

भाषा का जादू – छात्र वर्तनी शुद्ध करेंगे । क्रिया छँट कर रेखा खींचेंगे । चित्र देखकर मिलान करेंगे । अध्यापिका 'विशेषण' उदाहरण सहित समझाएँगी । छात्र वाक्यों में विशेषण छाँटेंगे । गणितीय प्रश्न अध्यापिका से समझकर हल करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य में अध्यापिका छात्रों का सतत निरीक्षण करेंगी । उनको स्वयं कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगी । असुविधा होने पर धैर्य पूर्वक शंका का समाधान करेंगी ।

गृह कार्य :

- कविता को कंटस्थ करेंगे ।
- चित्र के साथ दी कहानी को पूरा करेंगे । समस्त पाठ को दोहराएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता में निहित संदेश को समझा ।
2. शब्द ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. व्याकरण का ज्ञान बढ़ा ।
4. अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

लोमड़ी के विषय में पाठ में दी जानकारी छात्रों को देंगे । रचनात्मक कौशल में दिए चित्र को देखकर छात्रों से मौखिक रूप से अभिव्यक्त करने का अवसर देंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : स्वस्थ रहो, खुश रहो (कहानी)

सामान्य उद्देश्य

1. इस कहानी के माध्यम से विद्यार्थियों को खुशी और स्वास्थ्य के संबंध को समझाना ।
2. साहित्य की एक विधा कहानी का परिचय ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि जाग्रत कराना ।
कहानी के माध्यम से खुश रहने की प्रेरणा ग्रहण कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, सकारात्मक विचार लाने वाले चित्र, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने का अर्थ ज्ञान है, वे वाक्यों को पढ़, लिख सकते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आप किस बात से खुश होते हैं ?	जब मम्मी, पापा हमें प्यार करते हैं ।
2.	आप क्या करते हैं ?	हम उनका कहना मानते हैं ।
3.	विद्यालय में आपको कब खुशी होती है ?	जब हमें कॉपी में अच्छे अंक मिलते हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक कहानी सुनाएँगे जिससे आपको पता चलेगा कि खुश रहना कितना ज़रूरी है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

पाठ्य वस्तु	: 'स्वस्थ रहो, खुश रहो'
आदर्श वाचन	: शिक्षक उदाहरण देते हुए खुशी का अर्थ और आवश्यकता बताएँगे । तत्पश्चात् पाठ का वाचन करेंगे ।
अनुकरण वाचन	: विद्यार्थी स्वयं भी पढ़ने की चेष्टा करेंगे ।
सस्वर वाचन	: कठिन शब्दों को शिक्षक के साथ दोहराएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक उच्चारण की त्रुटियों को सुधारेंगे ।
स्पष्टीकरण	: शिक्षक पाठ के वाचन के बाद पाठ का अर्थ बताएँगे । वे स्पष्ट करेंगे कि कक्षा में प्रथम आना उतना आवश्यक नहीं है, जितना मन लगाकर, एकाग्र चित्त होकर पढ़ना । यदि असफलता मिले भी तो निराश नहीं होना चाहिए । मेहनत करना ही हमारे वश में है ।

बोध प्रश्न :

1. स्कूल से लौटने पर वरीषा का मन कैसा था ?
2. वरीषा की कक्षा में कौन प्रथम आया ?
3. होली पर वरीषा कहाँ गई थी ?

श्यामपट्ट कार्य	: शिक्षक कठिन शब्दों के अर्थ बताएँगे । श्यामपट्ट पर कठिन शब्दों को बोलकर विद्यार्थियों से एक-एक कर श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । शब्दार्थ भी छात्र लिखेंगे । उत्तर-पुस्तिका में श्रुतलेख लिखवाएँगे । त्रुटियों का सुधार उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।
अवलोकन कार्य	: अध्यापिका विद्यार्थियों के कार्य का सतत निरीक्षण करेंगी । श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर प्रत्येक विद्यार्थी को देंगी ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: स्वस्थ रहो, खुश रहो (कहानी) का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	स्कूल से लौटने पर वरीषा क्यों उदास थी?	वरीषा कक्षा में प्रथम नहीं आई थी, इसलिए उदास थी।
2.	वरीषा की कक्षा में कौन प्रथम आया ?	वरीषा की कक्षा में लता प्रथम आई थी।
3.	होली पर वरीषा कहाँ गई थी ?	होली पर वरीषा गाँव गई थी।

कक्षा कार्य : शिक्षक प्रश्नों को मौखिक पूछेंगे तत्पश्चात् अभ्यास कार्य कराएँगे।
लिखित – अध्यापक लिखित प्रश्नों के उत्तर-पुस्तिका में सुलेख में लिखवाएँगे।

छात्र प्रश्न 2 में सही विकल्प चुनकर चिह्न लगाएँगे। स्मृति परीक्षा के लिए किसने, किससे कहा में नाम लिखेंगे। संक्षिप्त उत्तर, प्रश्न 4 में लिखेंगे। आपने हँसने, रोने, आश्चर्य के इमोजी देखे होंगे। उसी तरह दुख, गुस्सा, शैतानी के भाव अध्यापिका प्रदर्शित करवाएँगी।

भाषा का जादू – छात्र प्रश्न 1 में वर्ण विच्छेद करेंगे। प्रश्न 2 में आगत शब्दों को रेखांकित करेंगे। शब्दों के अलग-अलग अर्थ प्रश्न 3 में लिखेंगे। प्रश्न 4 में 'अ' वर्ण का प्रयोग करके विलोम शब्द लिखेंगे। प्रश्न 5 में स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न का उत्तर देंगे।

अवलोकन कार्य : शिक्षक कक्षा कार्य अपने निर्देशन में ही कराएँगे। छात्रों को असुविधा हो, तो धैर्य पूर्वक समझाएँगे। त्रुटियों का संशोधन उत्तर-पुस्तिका में करेंगे।

गृह कार्य :
 • छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे। उत्तर-पुस्तिका में सुधार कार्य करेंगे।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से खुश रहने का स्वास्थ्य पर प्रभाव समझा।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ।
3. व्याकरण के सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई।
4. कल्पना के पंख में दिए प्रश्न से अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हुई।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. छात्रों को खुश रहने के लाभ से अवगत कराएँगे।
2. रचनात्मक कौशल में दिए चित्रों को छात्रों को दिखाकर बताएँ कि ये आदतें आपको खुशी और स्वास्थ्य दोनों प्रदान करेंगी।
3. बच्चों को कोई हास्यपूर्ण कार्टून फिल्म दिखाएँ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : कहानी 'फड़क तौलिया'

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक कथाओं से परिचित कराना ।
2. कहानी द्वारा लोभ और लालच से दूर रहने की शिक्षा देना ।
3. हिंदी भाषा की विधाओं का ज्ञान कराना ।
4. व्याकरण ज्ञान का विस्तार कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को पठन, वाचन, लेखन का सम्यक ज्ञान है । वे लोक कथाओं के अभ्यस्त हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आपको घर पर कोई कहानी सुनाता है?	हाँ, हमारे दादा जी/दादी/नानी कहानी सुनाते हैं ।
2.	दादी/नानी कैसी कहानियाँ सुनाती हैं ?	वे राजा-रानी या परियों की कहानी सुनाती हैं ।
3.	आपको कौन-सी कहानियाँ अच्छी लगती हैं?	हमें कार्टून फिल्म की कहानियाँ अच्छी लगती हैं । दादी से परी की कहानी सुनना भी अच्छा लगता है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको परियों की कहानी सुनाएँगे । जिसके द्वारा आप जानेंगे कि हम को कभी लोभ नहीं करना चाहिए ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक पाठ का वाचन करेंगे । विद्यार्थी ध्यानपूर्वक सुनेंगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक के कथन का अनुसरण करते हुए छात्र पाठ को अंत तक पढ़ेंगे ।
सस्वर वाचन	: कठिन शब्दों का उच्चारण तथा अर्थ अध्यापक के साथ दोहराएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक उच्चारण में यथा संभव शुद्धता का ध्यान रखेंगे ।
स्पष्टीकरण	: आज हम एक लोककथा का पठन करेंगे । ये नेक पति, पत्नी की कहानी है, जिसमें परियों से मिली भेंट का वे अकेले उपयोग नहीं करते, बल्कि उससे ज़रूरतमंद लोगों की मदद भी करते हैं । साथ ही ये भी जानेंगे कि किस प्रकार लोभ करने वाले को कभी न कभी इसका फल भी भुगतना पड़ता है । अध्यापिका पठन के साथ-साथ अर्थ भी स्पष्ट करती जाएँगी व अधिगम की परीक्षा हेतु प्रश्न भी पूछती जाएँगी ।

बोध प्रश्न :

1. कासिम किस जगह रहता था ?
2. कासिम की पत्नी ने रुमाल में क्या दिया था ?
3. परियाँ किस बात से डर गई थी ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक/अध्यापिका छात्रों को बुलाकर कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । साथ ही शब्दों के अर्थ पूछेंगे व लिखवाएँगी । लघु उत्तरीय प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखेंगे । विद्यार्थी उसका जवाब लिखेंगे । उत्तर-पुस्तिका में श्रुतलेख बोलेंगे । छात्र/छात्रा अपने कार्य की जाँच कराएँगे । अध्यापक त्रुटियों का संशोधन उत्तर-पुस्तिका में करेंगे ।
अवलोकन कार्य	: अध्यापिका विद्यार्थियों को समान अवसर देंगी । उनके कार्य का सतत निरीक्षण करेंगी ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: कहानी 'फड़क तौलिया' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत
सहायक सामग्री	: पूर्ववत
शिक्षक विधि	: पूर्ववत
पूर्वज्ञान	: छात्रों को कहानी का ज्ञान हो गया है, वे अधिगम की परीक्षा देने के लिए समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	कासिम शहर क्यों जा रहा था ?	कासिम काम की खोज के लिए शहर जा रहा था ।
2.	परियों ने कासिम को क्या दिया ?	परियों ने कासिम को चमत्कारी तौलिया दिया था ।
3.	कासिम का तौलिया कैसे बदल गया ?	कासिम का तौलिया सराय के मालिक ने चुराकर दूसरा तौलिया उसकी जगह रख दिया था ।

कक्षा कार्य : अध्यापक प्रश्नों को मौखिक रूप से पूछेंगे तत्पश्चात् अभ्यास कार्य में लिखवाएँगे ।

लिखित – प्रश्न 1 में प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं लिखेंगे । प्रश्न 2 में सही विकल्प चुनकर उस पर सही का चिह्न लगाएँगे । प्रश्न 3 में संक्षिप्त उत्तर देंगे । प्रश्न 4 तथा प्रश्न 5 आपकी कल्पना और रचनात्मक पर आधारित हैं । इसी आधार पर उत्तर दिए जाएँगे ।

भाषा का जादू –

छात्र प्रश्न 1 में स्त्रीलिंग शब्द लिखेंगे । जैसे – पति–पत्नी । प्रश्न 2 में बहुवचन लिखेंगे यथा रोटी–रोटियाँ । प्रश्न 3 विलोम शब्द लिखेंगे । प्रश्न 4 में ड व ङ का प्रयोग करना है जैसे – लड़ू । गणितीय प्रश्न का हल अध्यापक की सहायता से करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक विद्यार्थियों के कार्य का निरीक्षण करते रहेंगे । उनको सुलेख करने के लिए प्रेरित करेंगे । त्रुटियों का संशोधन उत्तर–पुस्तिका में करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराएँ ।
- यह जानने का प्रयास करें कि कौन–कौन से साधन हमारे सहायक हैं?
- कक्षा में उनकी चर्चा करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. छात्र लोककथा से परिचित हुए ।
2. पाठ द्वारा सकारात्मक संदेश मिला ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
4. व्याकरण का अभ्यास किया ।

क्रिया–कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. 'ये भी जानिए' के अंतर्गत जानकारी से विद्यार्थियों को भी अवगत कराएँगे ।
2. रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दिए चित्रों को देखकर नाम लिखेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	चित्रकथा	1	45 मिनट

प्रकरण : चित्रकथा 'ध्रुव कुमार'

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को भारत की संस्कृति व सभ्यता से परिचित कराना ।
2. एक नवीन विधा से परिचित कराना । जिसमें छात्र चित्रों के माध्यम से सीखेंगे ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

ध्रुव कुमार के चरित्र से प्रेरणा ग्रहण करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका तथा ध्रुव कुमार की कथा की एनीमेटेड फिल्म (यदि मिले) ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों पाठ पढ़ने व लिखने में कुशल हो गए हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या तुमने आकाश में चमकते सितारे देखे हैं ?	हाँ, हमने चाँद, सितारे देखे हैं ।
2.	सुबह-सुबह उत्तर दिशा में एक तारा चमकता है ? उसका नाम है ध्रुव तारा	नहीं मालुम
3.	क्या तुम ध्रुव तारे की कहानी पढ़ना चाहोगे ?	जी, हमें ध्रुव तारे के विषय में बताएँ ।

उद्देश्य कथन : आज हम सब मिलकर भक्त ध्रुव की कथा को चित्रों के द्वारा पढ़ेंगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक चित्र 2 से पूर्व कथा का सारांश छात्रों को बताएँगे । तत्पश्चात् पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक को सुनकर उनका अनुसरण करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्दों व उनके अर्थ को अध्यापक के साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : छात्रों की उच्चारण की अशुद्धियों को शुद्ध कराते जाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : आज हम प्राचीन काल की एक कथा का पाठन करेंगे । जिसके द्वारा हम सीखेंगे कि ध्रुव नाम के बालक ने किस प्रकार ईश्वर की भक्ति से एक उच्च स्थान प्राप्त किया है । ईश्वर की भक्ति किसी को दुख पहुँचा कर नहीं प्राप्त की जा सकती है । उसके लिए एकाग्रचित्त होकर प्रार्थना करना आवश्यक है । अध्यापक कथा का अर्थ और मर्म स्पष्ट करते जाएँगे । विद्यार्थियों की एकाग्रता की परीक्षा हेतु बीच में प्रश्न भी पूछते जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. राजा उत्तानपाद की रानियों के क्या नाम थे ?
2. ध्रुव को विमाता की कौन सी बात बुरी लगी ?
3. उत्तर दिशा में चमकते तारे का क्या नाम है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापिका श्यामपट्ट पर कठिन शब्द लिखेंगी । छात्र उन शब्दों के अर्थ एक-एक कर लिखेंगे । इसी प्रकार शब्दों को बिना देखे, लिखने का अभ्यास करेंगे ।

छात्र श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका में भी लिखेंगे ।

त्रुटियों का संशोधन अवश्य करवाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : अध्यापिका कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'ध्रुव कुमार' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	राजा उत्तान पाद के कितने बेटे थे ? उनके क्या नाम थे ?	राजा उत्तान पाद के दो बेटे थे । ध्रुव और उत्तम ।
2.	सुरुचि ने ध्रुव से क्या कहा ?	सुरुचि ने ध्रुव से कहा था कि यदि गोद में बैठने का इतना मन है, तो प्रभु की गोद में बैठो ।
3.	प्रार्थना कब पूरी होती है ?	प्रार्थना पूरी तब होती है, जब पूरे मन से की जाए ।

कक्षा कार्य : लिखित –

छात्र प्रश्न 1 प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट स्थान में लिखेंगे ।

प्रश्न 2 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर छोटकर सही का चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 3 में सही/गलत के चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 4 को करने में अध्यापक छात्रों की सहायता करेंगे ।

प्रश्न 5 आसान शब्दों में छात्र मन के विचार प्रकट करेंगे ।

भाषा का जादू – छात्र वर्णों को अलग-अलग करके लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में द्वित्व व्यंजन के प्रयोग से शब्द पूरा करेंगे ।

प्रश्न 3 में संयुक्ताक्षरों का प्रयोग कर दो-दो शब्द लिखेंगे ।

प्रश्न 4 में शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करेंगे ।

प्रश्न 5 चित्र को देखकर चार पंक्तियाँ लिखेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय सभी छात्रों के कार्य का अवलोकन करेंगे ।
आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों की सहायता करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : त्रुटियों का संशोधन कराएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- अभ्यास में दिए कार्य का फिर से अभ्यास करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. संस्कृति व नैतिक मूल्यों से प्रेरणा प्राप्त की ।
2. हिंदी भाषा का विस्तार हुआ ।
3. चित्रकथा से ज्ञान व मनोरंजन ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

क्रिया कलाप में विद्यार्थियों के मनोरंजनार्थ तथा बुद्धि परीक्षा हेतु गतिविधियाँ हैं । इनको छात्रों को उदाहरण देकर पूर्ण कराएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : कहानी 'रक्षाबंधन'

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों में सहयोग व प्रेम की भावना का संचार कराना ।
2. कहानी के माध्यम से पशु-पक्षियों की दुनियाँ से परिचय कराना ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वाक्यों को पढ़ने, लिखने का ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	ऐसा कौन सा त्योहार है, जब राखी बाँधी जाती है ?	रक्षाबंधन पर राखी बाँधी जाती है ।
2.	राखी कौन, किसको बाँधता है ?	राखी बहन भाई के हाथ पर बाँधती है ।
3.	राखी क्यों बाँधी जाती है ?	राखी बहन, भाई के हाथ पर इसलिए बाँधती है, जिससे वह जीवन-भर बहन की रक्षा करे ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक ऐसे वन की कहानी सुनाएँगे, जहाँ रक्षाबंधन का पर्व बहुत जोर-शोर से मनाया जाता था ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक एक-एक अनुच्छेद को पुस्तक से पढ़ेंगे साथ में दिए प्रश्नों को भी पूछते जाएँगे ।
अनुकरण वाचन	: छात्र अध्यापक के पठन के बाद गद्यांश को स्वयं पढ़ने की चेष्टा करेंगे ।
सस्वर वाचन	: कठिन शब्दों का उच्चारण अध्यापक करेंगे । छात्र साथ-साथ दोहराएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक उच्चारण दोष को दूर करने का प्रयास करेंगे ।
स्पष्टीकरण	: आज हम वन में रहने वाले पशु-पक्षियों की कहानी पढ़ेंगे । इस कहानी से हमें सीख भी मिलेगी और आनंद भी आएगा । अध्यापक कहानी का अर्थ समझाएँगे । बीच-बीच में प्रश्न भी करते जाएँगे । कठिन शब्दों के अर्थ भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. इस कहानी में कौन से पशुओं का नाम आया है ?
2. कोमल को समझाने कौन-कौन गया था ?
3. रक्षाबंधन क्यों मनाया जाता है ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक श्यामपट्ट पर कठिन शब्दों को लिखने का अभ्यास छात्रों से करवाएँगे । कठिन शब्द लिखकर अर्थ भी बच्चों द्वारा लिखवाएँगे । श्यामपट्ट पर लघुउत्तरीय प्रश्न लिखेंगे, विद्यार्थियों में से कुछ छात्र आकर उत्तर लिखेंगे । उत्तर-पुस्तिका में भी श्रुतलेख लिखा जाएगा ।
अवलोकन कार्य	: शिक्षक सभी विद्यार्थियों को श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देंगे । त्रुटियों का संशोधन भी छात्रों से करवाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: कहानी 'रक्षाबंधन' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ के भाव व अर्थ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	शेर सिंह ने क्या आदेश दिया था ?	शेर सिंह ने आदेश दिया था कि खंजन वन का कोई भाग गंदा नहीं दिखना चाहिए ।
2.	कोमल हिरनी क्यों उदास थी ?	कोमल अपने भाई की मृत्यु के कारण उदास थी ।
3.	कोमल ने किस से राखी बँधवाई ?	कोमल ने हाथी राजा, फीटू बंदर और लंबू जिराफ़ से राखी बँधवाई ।

कक्षा कार्य : **लिखित** – अध्यापक अभ्यास कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर छात्रों से लिखवाएँगे । प्रश्न 2 में प्रश्न का उचित विकल्प चुनकर छात्र चिह्न लगाएँगे। प्रश्न 3 में छात्र कथन के सामने किसने, किससे कहा लिखेंगे । प्रश्न 4 में लघु उत्तर देंगे ।

‘कल्पना के पंख’ में अपने मनपसंद पशु के विषय में बताएँगे ।

भाषा का जादू – छात्र शब्दों के जोड़े बनाएँगे । जैसे – रात–दिन, सरदी–गरमी । छात्र साधारण वाक्य को प्रश्न में बदलना सीखेंगे । अध्यापक श्यामपट्ट पर उदाहरण देकर समझाएँगे । प्रश्न 3 में विशेषण शब्द छँटकर उनसे वाक्य रचना करेंगे । प्रश्न 4 में अनुस्वार का प्रयोग करके शब्द पूरा करेंगे । प्रश्न 5 का उत्तर विद्यार्थी अपने आप सोचकर लिखेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य को अध्यापक अपने निरीक्षण में पूरा करवाएँगे । विद्यार्थियों को स्वयं कार्य करने की प्रेरणा दें ।

अशुद्धि संशोधन : त्रुटियों का संशोधन अवश्य कराएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को छात्र दोहराएँगे ।
- त्रुटियों का संशोधन करेंगे । शब्दार्थ याद करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. विद्यार्थियों को सहयोग व प्रेम का संदेश मिला ।
2. कहानी विधा से परिचय हुआ ।
3. शब्द सामर्थ्य में वृद्धि हुई ।
3. प्रश्नवाचक वाक्य विन्यास सीखा तथा अनुस्वार, विशेषण का पुनः अभ्यास किया ।

क्रिया–कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. विद्यार्थियों को अध्यापक ‘हिरन’ के विषय में अधिक जानकारी देंगे ।
2. रचनात्मक कौशल के अंतर्गत कहानी के अनुसार नाम, चित्र देखकर लिखेंगे । जैसे – हाथी राजा ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : कविता 'चिड़िया और चुरुगन'

कवि : श्री हरिवंश राय बच्चन

सामान्य उद्देश्य

1. पक्षियों के माध्यम से माँ और शिशु के सोचने समझने की प्रक्रिया को समझाना ।
2. भाषा ज्ञान को विस्तार देना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि जाग्रत कराना ।
'माँ की चिंता अकारण नहीं होती' यह समझ विकसित कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, पक्षियों के चित्रों का चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम व पॉइंटर आदि ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वाक्यों को पढ़ने, समझने का ज्ञान हो गया है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	क्या आप भी माँ से बाहर जाने की जिद करते हैं ?	जी, हम भी माँ से जिद करते हैं ।
2.	माँ आपसे क्या कहती हैं ?	माँ कहती हैं, अकेले नहीं भेंजेंगे ।
3.	आपने सोचा वो क्यों मना करती हैं ?	वो बाहर भेजने से डरती हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम एक बहुत बड़े कवि श्री हरिवंश राय बच्चन की कविता को पढ़कर उसका अर्थ समझने की चेष्टा करेंगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कविता का पाठ भाव अभिनय के साथ करेंगे । विराम, अल्पविराम का ध्यान रखते हुए पाठ करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक के बाद कविता को दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक व छात्र एक स्वर में कविता दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक छात्रों की उच्चारण की अशुद्धियों को शुद्ध कराएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : यह कविता पक्षियों के माध्यम से एक माँ की फिक्र और बच्चे के प्रति ममता को प्रकट करती है । नासमझ बच्चे को माँ अकेले बाहर निकलने से रोकती है । उसे भय है कि कहीं वह संकट में न पड़ जाएँ । जबकि बच्चा बाहर निकल कर कलियों को, फूलों को देखकर संसार को पहचानने की कोशिश करता है, उसे नए मित्र मिलते हैं, वह अनाज के दाने उठाने की चेष्टा करता है उसे लगता है कि अब वो अकेले उड़कर जाने में समर्थ है, किंतु माँ आश्वस्त नहीं है कि उसे उड़ने की आज़ादी दे सके । जब माँ को पूरा भरोसा हो जाता है कि उसका बच्चा इस लायक हो गया है तभी वो उसे दूर तक उड़ने की आज्ञा देती है । चार्ट पेपर पर बने चित्रों को पॉइंटर द्वारा दिखाएँ ।

बोध प्रश्न :

1. पक्षी अपने आप उड़ते हैं या कोई उनको सिखाता है ?
2. जब पक्षी घोंसले में होते हैं तो उनको कैसे भोजन मिलता है ?
3. बालक को बाहर निकल कर क्या-क्या मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों से कठिन शब्द श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे ।
अध्यापक कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे, छात्र उनके अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे ।
अध्यापक लघु प्रश्न, रिक्त स्थान श्यामपट्ट पर लिखेंगे । छात्र प्रश्नों के उत्तर व रिक्त स्थानों को पूरा करने की चेष्टा करेंगे ।
त्रुटियों का संशोधन भी कराते जाएँगे ।
- अवलोकन कार्य** : शिक्षक कार्यों का सतत अवलोकन करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: कविता 'चिड़िया और चुरुगन' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को कविता का पूर्ण ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	'चुरुगन' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है ?	'चुरुगन' चिड़िया के नन्हें से शिशु के लिए प्रयोग हुआ है ।
2.	चुरुगन की माँ को किसका भय है ?	चुरुगन की माँ को शिकारी पक्षी और मनुष्य का भय है ।
3.	माँ ने उसे कब उड़ने की आज्ञा दी ।	जब माँ को पूरा भरोसा हो गया कि चुरुगन अब दूर तक उड़ान भी भर सकता है और अपनी रक्षा भी कर सकता है, तब उसे उड़ने की आज्ञा दी ।

कक्षा कार्य : लिखित –

छात्र प्रश्न 1 में प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे और उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में उचित विकल्प छोटकर सही का चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 3 में अध्यापक रिक्त स्थान पूर्ति करवाएँगे ।

शब्द रचना के कौशल को बढ़ाने के लिए न शब्द का प्रयोग करते हुए नए शब्द बनवाएँगे ।

'कल्पना के पंख' के अंतर्गत बच्चे अपने मन के भाव प्रकट करेंगे ।

भाषा का जादू –

अध्यापक शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखवाएँगे ।

प्रश्न 2 में विलोम शब्द तथा प्रश्न 3 में अर्थ लिखकर वाक्य बनवाएँगे ।

प्रश्न 4 में शब्दों की वर्तनी शुद्ध करेंगे ।



- अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत निरीक्षण करेंगे ।
- अशुद्धि संशोधन : त्रुटियों का संशोधन साथ-साथ करवाएँगे ।
- गृह कार्य :
- छात्र प्रश्न 5 में दिए वाक्य के सामने पक्षी का चित्र लगाएँगे ।
 - कक्षा में बनाई गई चिड़िया की प्रतिकृति छात्र घर से बनाकर लाएँगे ।
 - छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
 - कविता को कंठस्थ करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. विद्यार्थियों ने कविता का आनंद लिया ।
2. शब्द ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. पक्षियों के चित्रों से उनके नाम जाने इस तरह सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. विलोम शब्द, अनेकार्थी तथा वर्तनी शुद्धि का अभ्यास हुआ ।
5. माँ और शिशु के बीच भावात्मक संबंध का ज्ञान हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. प्रश्न 5 में दिए गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थियों को बताएँ ।
2. उनको टिटहरी, हरियल पक्षी, कौवा, तोता, मैना के विषय में भी पुस्तक से पढ़कर जानकारी देंगे ।
3. रचनात्मक कौशल में दी विधि से एक चिड़िया ग्लेज़ पेपर से बनाकर दिखाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : फूलों का राजा आम (लेख)

सामान्य उद्देश्य

1. भारत के राष्ट्रीय फल आम के विषय में जानकारी प्राप्त कराना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण ज्ञान का सामान्य ज्ञान प्राप्त कराना ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, फलों के चित्रों का चार्ट, पॉइंटर, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को विभिन्न फलों के नामों का ज्ञान है । वे आम के स्वाद व रूप से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	गर्मियों में आने वाले फल कौन-कौन से हैं ?	खरबूजा, तरबूज, आम
2.	आम से बनी कौन सी चीज़ आपने खाई है ?	आइसक्रीम, आम, पापड़, मेंगो शेक
3.	आपको सबसे अच्छा फल कौन सा लगता है ?	आम, अंगूर, अनार

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक ऐसे फल के विषय में बताएँगे जो सभी को बहुत प्रिय होता है ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का वाचन करेंगे । वे पुस्तक में दिए चित्रों को विद्यार्थियों से देखने को कहेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक द्वारा पढ़े अनुच्छेद को छात्र दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक कठिन शब्दों को दो बार बोलेंगे । अध्यापक के साथ छात्र एक साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण में अशुद्धता होगी तो उसे भी सुधारा जाएगा ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के वाचन के पश्चात् अध्यापक विभिन्न फलों के चित्र छात्रों को दिखाएँगे और आम की विविध किस्मों के नाम भी बताएँगे । पाठ का अर्थ भी अध्यापक बताते जाएँगे । अधिगम की परीक्षा हेतु बीच-बीच में प्रश्न पूछे जाएँगे । शब्दों के अर्थ, उनकी वर्तनी पर भी ध्यान दिलाया जाएगा ।

बोध प्रश्न :

1. आम के वृक्ष से हमें क्या-क्या वस्तु प्राप्त होती है ?
2. आम की पत्तियाँ किस काम में आती हैं ?
3. आम का स्वाद कैसा होता है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापिका बच्चों को बुलाकर कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । इसी प्रकार रिक्त स्थान, लघु प्रश्न लिखेंगे, जिसके उत्तर विद्यार्थी एक-एक कर आकर लिखेंगे । अध्यापक शब्दों के अर्थ भी लिखाएँगे । त्रुटियाँ हो तो उनका संशोधन भी करेंगे । अध्यापक विद्यार्थियों को उत्तर-पुस्तिका में श्रुतलेख भी लिखवाएँगे ।
- अवलोकन कार्य** : शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखने के लिए प्रत्येक छात्र को अवसर देंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'फलों का राज आम' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आम को रसाल क्यों कहते हैं ?	आम रस से भरा होता है, इसलिए रसाल कहलाता है ।
2.	आम के पेड़ का आकार कैसा होता है ?	आम का पेड़ आकार में बड़ा और घना होता है ।
3.	आम की गुठली का क्या उपयोग है ?	आम की गुठली दवाई बनाने के काम आती है ।

कक्षा कार्य : **लिखित** – अध्यापक प्रश्न 1 में विद्यार्थियों से प्रश्नों उत्तर लिखवाएँगे । प्रश्न 2 में बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प पर सही के चिह्न लगवाएँगे । प्रश्न 3 में छात्र रिक्त स्थान की पूर्ति करेंगे । प्रश्न 4 में दिए गए कथन के आगे सही व गलत के चिह्न लगवाएँगे । प्रश्न 5 को अध्यापक पहले कक्षा में बताकर चर्चा करेंगे । तत्पश्चात् उत्तर लिखवाएँगे ।

भाषा का जादू – अध्यापक समान अर्थ वाले शब्दों पर गोला खिंचवाएँगे । चित्र देखकर विशेषण लिखाएँगे । रिक्त स्थान में कोष्ठक में दिए शब्द का उलटा शब्द लिखवाएँगे । प्रश्न 4 में चित्र देखकर बहुवचन लिखवाएँगे । प्रश्न 5 में बच्चे चित्र देखकर नाम लिखेंगे तथा ये भी बताएँगे कि फल हमारे लिए क्यों उपयोगी हैं ?

अवलोकन कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य के समय निरंतर निरीक्षण करेंगे । प्रश्न को आसान शब्दों में उदाहरण देकर समझाएँगे ।

त्रुटि संशोधन : त्रुटियों का संशोधन गृह कार्य में करने देंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने के लिए कहेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को गृहकार्य में पूरा करने का निर्देश देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के द्वारा 'आम' के विषय में जानकारी मिली ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी भी हुई । भाषा ज्ञान बढ़ा ।
3. समानार्थक शब्द, विलोम शब्द व विशेषण शब्दों का अभ्यास हुआ ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

छात्रों को आम के विषय में अतिरिक्त जानकारी 'यह भी जानिए' के द्वारा दीजिए ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : नरेंद्र दत्त

सामान्य उद्देश्य

1. एक महान संत, विचारक तथा स्वतंत्रता सेनानी के जीवन से परिचित कराना ।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान को समृद्ध कराना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. गणितीय कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों का वाक्यों को पढ़ने-लिखने की समझ है, वे विवेकानंद के नाम से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	स्वामी विवेकानंद जी का वास्तविक नाम क्या था ?	उनका नाम नरेंद्र दत्त था ।
2.	विवेकानंद नाम उन्हें किसने दिया ?	उनको ये नाम उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस ने दिया ।
3.	उनको स्वामी जी क्यों कहते थे ?	नरेंद्र दत्त ने 25 वर्ष की उम्र में सन्यास ले लिया था इसलिए उनको स्वामी जी कहते थे ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक ऐसे सन्त के विषय में बताएँगे जिन्होंने समस्त विश्व में देश को सम्मान और गौरव दिलाया तथा मानवता को सबसे बड़ा धर्म माना ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का क्रमवार अनुच्छेद पढ़ेंगे । विराम, अल्पविराम चिह्नों का ध्यान रखेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के वाचन के पश्चात् छात्र उसका अनुकरण करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्दों को अध्यापक के साथ एक स्वर में दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की त्रुटियों का ध्यान रखते हुए संशोधन करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक नेता जी के व्यक्तित्व व कृतिव पर प्रकाश डालते हुए पाठ का अर्थ समझाएँगे । बीच-बीच में छोटे-छोटे प्रश्न पूछते हुए ध्यान व अधिगम की परीक्षा करते चलेंगे । शब्दों के अर्थ व वर्तनी पर भी छात्रों को ध्यान दिलाया जाएगा ।

बोध प्रश्न :

- नरेंद्र पर किसका प्रभाव अधिक था ?
- किस बात से नरेंद्र दत्त के बुद्धिमान होने का पता चलता है ?
- स्वामी जी के अनुसार भगवान तक पहुँचने का क्या रास्ता है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापिका श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेंगे । छात्र उसका अर्थ श्यामपट्ट पर लिखेंगे । इसी प्रकार शब्द बोलकर उसकी वर्तनी भी छात्रों से लिखवाएँगे। लघु उत्तरीय प्रश्न, रिक्त स्थान, वाक्य रचना आदि का अभ्यास श्यामपट्ट पर कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : कार्यरत विद्यार्थियों का अवलोकन अध्यापक करेंगे । प्रत्येक विद्यार्थी को लेखन हेतु श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर प्रदान करेंगे। त्रुटियों का सुधार भी करते जाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : नरेंद्र दत्त
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	नरेंद्र की माता का क्या नाम था ?	नरेंद्र की माता का नाम भुवनेश्वरी देवी था ।
2.	वे किस प्रकार की महिला थीं ?	वे पूजा, पाठ करने वाली महिला थीं ।

3.	स्वामी जी ने अमेरिका के किस शहर में भाषण दिया था ?	स्वामी जी ने अमेरिका के शिकागो में भाषण दिया था।
----	--	--

कक्षा कार्य : अध्यापक जब आश्वस्त हों कि छात्र पाठ समझ गए हैं उनको पुस्तक में कार्य करने का निर्देश देंगे ।

लिखित – प्रश्न 1 में दिए प्रश्नों पर अध्यापक पहले चर्चा कर लें फिर उन्हें लिखने का निर्देश देंगे। प्रश्न 2 में बहुविकल्पीय प्रश्नों का सही विकल्प चुनकर सही के चिह्न लगावाएँ । प्रश्न 3 में स्मृति की परीक्षा हेतु वाक्यों को घटनानुसार क्रम अंकित करने देंगे ।

प्रश्न 4 में छात्र अपने विवेक से सही/गलत के चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 4 पर पहले कक्षा में चर्चा करें तत्पश्चात् पुस्तक में लिखवाएँगे ।

भाषा का जादू – प्रश्न 1 में छात्र रेफ़ र व पदेन र की मात्रा का अभ्यास करेंगे ।

प्रश्न 2 में श, ष, स का उचित जगह पर प्रयोग करेंगे ।

अध्यापक इसी प्रकार में व मैं का प्रयोग बताएँगे ।

प्रश्न 4 में छात्र 'क्ष' वर्ण का प्रयोग करके चार शब्द लिखेंगे ।

गणितीय प्रश्न का हल अध्यापक प्रारंभिक चर्चा के बाद कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य अध्यापक अपने निर्देशन में पूरा कराएँगे ।
जिस छात्र को असुविधा हो उसकी धैर्य से सहायता करेंगे ।
संभव हो तो उन्हें स्वयं कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे ।

गृह कार्य :

- अध्यापक समस्त पाठ को दोहराने का निर्देश देंगे ।
- शब्दों की वर्तनी याद करने देंगे ।
- महान संतों के नाम लिखने देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. धर्म व संस्कृति से परिचय हुआ ।
2. हिंदी भाषा का ज्ञान बढ़ा ।
3. शब्दों का विभिन्न अर्थों में प्रयोग जाना ।
4. प्रेरणा व सदाचार में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

विषय से संबंधित विशेष जानकारी 'यह भी जानिए' के द्वारा देंगे । संभव हो तो स्वामी जी पर बनी फिल्म या डाक्यूमेंटरी छात्रों को दिखाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : खिलौने वाला

कवयित्री : सुभद्रा कुमारी चौहान

सामान्य उद्देश्य

1. प्रसिद्ध कवयित्री की कविता और निहित संदेश से परिचय कराना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. रचनात्मक कौशल में अभिवृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
कविता से रस ग्रहण करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, विभिन्न खिलौनों का चार्ट, पॉइंटर, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को हिंदी भाषा को पढ़ने, लिखने का सम्यक ज्ञान हो गया है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपको किस तरह के खिलौने अच्छे लगते हैं ?	कार, हैलीकॉप्टर, गुड़िया, गेंद
2.	आप खिलौने कहाँ से लेते हैं ?	हम लोग खिलौने पापा-मम्मी के साथ जाकर दुकान से लेते हैं ।
3.	दुकान में कैसे खिलौने दिखते हैं ?	वे बहुत सुंदर और चमकदार होते हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम एक कविता पढ़ेंगे जिसमें बहुत सारे खिलौने हैं, किंतु बालक तीर, कमान या तलवार लेना चाहता है जिससे वो दुष्टों का नाश कर सके ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कविता का परिचय देते हुए उसका पाठ करेंगे । यह पाठ भाव अभिनय से पूर्ण होगा । प्रत्येक पद्यांश के बाद प्रश्न भी पूछते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुकरण करते हुए विद्यार्थी पद्यांश को दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापिका के साथ स्वर मिलाकर एक बार पूरी कविता को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि विद्यार्थियों के उच्चारण में कहीं त्रुटि होगी तो अध्यापक उसमें सुधार करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक स्पष्ट करेंगे कि खिलौने वाले के पास कौन-कौन से खिलौने हैं । मुन्नी और सोहन कौन से खिलौने ले रहे हैं । बालक जो खिलौने देखकर ललचाता है । वह इनमें से कोई खिलौने नहीं लेगा बल्कि वह रामचंद्र जी जैसा निडर और साहसी बनना चाहता है । वह वन जाने को भी तैयार है फिर उसे महसूस होता है कि वह माँ के बिना कहीं नहीं रह पाएगा ।

बोध प्रश्न :

1. खिलौने वाले की गेंद कितने पैसे की है ?
2. खिलौने वाला क्या कह कर पुकार रहा है ?
3. बालक ने वन जाने की बात क्यों कही है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर कठिन शब्द लिखकर दिखाएँगे, तत्पश्चात् उनको डस्टर से साफ़ करके विद्यार्थियों से लिखवाएँगे । शब्दार्थ भी इसी प्रकार लिखवाएँगे । लघु प्रश्न कविता की अगली पंक्ति लिखने तथा सही/गलत के चिह्न लगाने के कार्य श्यामपट्ट पर कराएँगे । विद्यार्थियों से लिखित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे । पाठ के कठिन शब्दों को श्रुतलेख में भी बोलेंगे ।

अवलोकन कार्य : विद्यार्थी जब कार्य करेंगे तब अध्यापक उनके कार्य की प्रशंसा करेंगे और प्रोत्साहन देंगे । उनको साफ सुंदर लेख के लिए प्रेरित करेंगे । त्रुटियों का संशोधन भी करवाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : कविता 'खिलौने वाला'
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को कविता और उसके भाव का ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बालक माँ को क्या दिखा रहा है ?	बालक माँ को खिलौने वाला दिखा रहा है ।
2.	मोटर गाड़ी की आवाज़ कैसी है ?	मोटर गाड़ी सर-सर कर चलती है ।
3.	माँ ने बच्चे को कितने पैसे दिए हैं ?	माँ ने बेटे को चार पैसे दिए हैं ।

कक्षा कार्य : **लिखित** — अध्यापक प्रश्न 1 में प्रश्नों के लिखित उत्तर पुस्तक में लिखवाएँगे ।

प्रश्न 2 में उचित विकल्प चुनकर चिह्न लगवाएँगे ।

प्रश्न 3 में सही/गलत के चिह्न लगवाएँगे ।

प्रश्न 4 का उत्तर छात्र अपनी समझ से देंगे ।

प्रश्न 5 का उत्तर लिखवाने से पूर्व अध्यापक कक्षा में चर्चा करेंगे ।

भाषा का जादू — प्रश्न 1 में छात्र लिंग बदलकर लिखेंगे जैसे माँ का पिता ।

प्रश्न 2 में अध्यापक बहुवचन लिखवाएँगे जैसे बिल्ली का बिल्लियाँ ।

प्रश्न 3 में 'ओ' की मात्रा लगाकर चार शब्द (जैसे 'जोकर') लिखवाएँगे ।

प्रश्न 4 में सर-सर-भक-भक से मिलती ध्वनियाँ जैसे ठक-ठक आदि लिखवाएँगे । गणितीय प्रश्न विद्यार्थी अध्यापक से चर्चा करके हल करेंगे ।

अवलोकन कार्य : विद्यार्थी जब कक्षा कार्य करें, उस समय अध्यापक सतत निरीक्षण करेंगे । विद्यार्थियों को स्वयं कार्य करने के लिए प्रेरित करेंगे ।

गृह कार्य :

- छात्र कविता को कंठस्थ करेंगे ।
- मनपसंद खिलौने के चित्र रिक्त स्थानों में लगाएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता का आनंद प्राप्त हुआ ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी हुई ।
3. व्याकरण में लिंग, वचन का पुनः अभ्यास किया ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. विद्यार्थियों को 'यह भी जानिए' के अंतर्गत श्री राम से संबंधित जानकारी अध्यापक उपलब्ध कराएँ ।
2. रचनात्मक कौशल में छात्रों से चिह्न लगवाएँ ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : खेल-खेल कर सीखो

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से खेलों के प्रति विद्यार्थियों की रुचि जाग्रत कराना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. संवाद के रूप में वाक्य पढ़ने का अनुभव कराना ।
4. रचनात्मक कौशल का विस्तार कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि जाग्रत कराना ।

खेल भावना के अंतर्गत, संयम, सहयोग व धैर्य का पाठ पढ़ाना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, विभिन्न खेलों के चित्रों का चार्ट, पॉइंटर, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को खेलों के विषय में सामान्य ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	मैदान में खेले जाने वाले खेल कौन से हैं ?	फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट
2.	घर के अंदर कौन से खेल खेल सकते हैं ?	कैरम, लूडो, साँप सीढ़ी
3.	आपके स्कूल में कौन से खेल खिलाए जाते हैं ?	क्रिकेट, खो-खो होता है ।

उद्देश्य कथन : इस पाठ को पढ़ाने का उद्देश्य यह है कि आप सब खेलों में रुचि लें ।
खेलेंगे तो शक्ति आएगी और मेल-मिलाप सीखेंगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे । प्रत्येक गद्यांश को पढ़ने के बाद छात्रों को कठिन शब्दों के अर्थ बताएँगे तथा वर्तनी को श्यामपट्ट पर लिखकर दिखाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के पढ़ने के बाद छात्र भी पाठ को पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्दों को अध्यापक के साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण की त्रुटियों को अध्यापक सुधारेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ का अर्थ स्पष्ट करते हुए अध्यापक बताएँगे कि जो छात्र टी.वी मोबाइल में समय बिताते हैं, वे आलसी और सुस्त होते जाते हैं । खेलने से शरीर स्वस्थ होता है, रक्त का संचार ठीक रहता है और एक दूसरे के साथ सहयोग करना आता है । अनुज को अपनी ननिहाल में जाकर अच्छा नहीं लगा जब उसके मामा जी ने उसे आस-पास घुमाया और खेलने के लाभ बताए तब उसे भी खेल में रुचि होने लगी ।

बोध प्रश्न :

1. अनुज की बहन किसके साथ खेल रही थी ?
2. मामा जी ने अनुज की माँ से क्या पूछा ?
3. दिल्ली जाते ही अनुज ने क्या किया ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पाठ का अर्थ समझाकर छात्रों को एक-एक कर बुलाकर श्यामपट्ट पर कठिन शब्द स्वयं लिखने को कहेंगे । अध्यापक शब्दों के अर्थ, लघु प्रश्नों के उत्तर भी लिखवाएँगे । श्यामपट्ट पर विराम चिह्न व उनके प्रयोग के विषय में समझाएँगे । भाववाचक संज्ञा किस प्रकार बनती है वह भी समझाएँगे । लिखित प्रश्नों पर चर्चा भी करेंगे ।

अवलोकन कार्य : छात्रों को समझाते हुए अथवा उनके कार्य करते समय वे निरंतर निरीक्षण करेंगे । त्रुटियों का सुधार करके भी बताएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : खेल-खेल कर सीखो
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ भाव समझ आ गया है ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	अनुज और अनया कहाँ गए थे ?	अनुज और अनया अपनी ननिहाल गए थे ।
2.	अनया, श्रुति और कीर्ति कौन थी ?	अनया, अनुज की बहन थी, श्रुति और कीर्ति विमल मामा की बेटि थीं ।
3.	दिल्ली जाकर अनुज ने क्या किया ?	दिल्ली जाकर अनुज ने नियमित रूप से खेलना शुरू कर दिया ।

कक्षा कार्य : लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर, अध्यापक पुस्तक में लिखवाएँगे ।

प्रश्न 2 में उचित विकल्प पर चिह्न लगवाएँगे । प्रश्न 3 में चित्र देखकर खेलों के नाम लिखेंगे । प्रश्न 4 में कथन के आगे लिखेंगे कि किसने किससे कहा ।

कल्पना के पंख में प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी अपने आप सोचकर देंगे ।

भाषा का जादू –

छात्र विराम चिह्नों का प्रयोग वाक्यों में यथा-स्थान लगाएँगे ।

प्रश्न 2 में छात्र शब्द के स्त्रीलिंग रूप लिखेंगे ।

प्रश्न 3 में शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करेंगे ।

प्रश्न 4 में भाववाचक संज्ञा बनाएँगे ।

गणितीय प्रश्न का हल अध्यापक चर्चा के बाद पूरा कराएँगे ।

त्रुटि संशोधन : कार्य में जो त्रुटियाँ होगी उनका साथ-साथ संशोधन कराएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- प्रश्नों के उत्तर याद करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. खेलने के लाभ ज्ञात हुए ।
2. शब्द सामर्थ्या में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण ज्ञान का विस्तार हुआ ।
4. खेलने की रुचि जाग्रत हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. यह भी जानिए के अंतर्गत खेलों से संबंधित जानकारी छात्रों को देंगे ।
2. रचनात्मक कौशल में चित्रों को देखकर खेल पहचानें ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : मोर के पैर

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को संतोष और मिलजुल कर रहने की प्रेरणा देना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. विचार विमर्श द्वारा संप्रेषण योग्यता का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

नैतिक शिक्षा व आशा का संदेश देना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, पक्षियों के चित्रों का चार्ट, शरीर के मुख्य अंगों के चित्र, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को वाक्यों को पढ़ने का ज्ञान हो गया है । वे व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित हो गए हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	वन में पाए जाने वाले कुछ पशु पक्षियों के नाम बताएँ ।	शेर, हिरन, मोर, सियार
2.	पक्षियों में कौन सा पक्षी सबसे सुंदर लगता है ?	मोर, तोता
3.	मोर में क्या चीज सबसे सुंदर लगती है ?	रंग, पंख

उद्देश्य कथन : आज हम जो पाठ पढ़ेंगे उसका उद्देश्य यही है कि हम सब को ईश्वर ने कोई न कोई गुण दिया है हमको उसे ही निखारना चाहिए न कि किसी और से ईर्ष्या करनी चाहिए ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का वाचन करेंगे, कठिन शब्दों के अर्थ भी बताएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी पाठ वाचन में अध्यापक के उच्चारण पर ध्यान देंगे । तत्पश्चात् पाठ को पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्द और उनके अर्थ अध्यापक के साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण में कोई अशुद्धि हो तो उसे सुधारते जाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : चार्ट पर बने पक्षियों के चित्र दिखाएँगे । विद्यार्थियों से उनके नाम पूछेंगे । कहानी का अर्थ व भाव स्पष्ट करेंगे । शरीर के मुख्य अंगों हाथ, मुख, पैर आदि के चित्र दिखाएँगे । स्पष्ट करेंगे कि ईर्ष्या या तुलना हमें दुख देती है जबकि संतुष्टि सुख देती है ।

बोध प्रश्न :

1. मोर को किस बात का दुख था ?
2. मोर को किसके पैर सुंदर लगे थे ?
3. किस पक्षी की वाणी सबसे मधुर होती है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक छात्रों में कुछ को श्यामपट्ट पर शब्दों की वर्तनी लिखवाएँगे । तत्पश्चात् अन्य छात्रों से शब्दों के अर्थ लिखवाएँगे । रिक्त स्थान पूर्ति कराएँगे, अन्य छात्र लघु प्रश्नों के उत्तर लिखेंगे । संज्ञा शब्दों के साथ विशेषण का प्रयोग, समानार्थी शब्द, संज्ञा के प्रकार तथा क्रिया शब्द पहचानने का अभ्यास कराएँगे । पाठ के कठिन शब्दों को श्रुतलेख में भी बोलेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र श्यामपट्ट पर कार्य करेंगे, अध्यापक अन्य छात्रों पर भी ध्यान देंगे । सभी विद्यार्थी सचेत रहें इसका ध्यान रखेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : कहानी 'मोर के पैर'
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ व भाव समझ आ गया है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	पशु-पक्षी क्यों प्रसन्न होकर नृत्य कर रहे थे ?	पशु-पक्षी वर्षा होने की आशा से प्रसन्न होकर नृत्य कर रहे थे ?
2.	मोर ने नृत्य क्यों बंद कर दिया ?	नृत्य करते हुए जैसे ही मोर की नज़र पैरों पर पड़ी वह दुखी हो गया और नृत्य बंद कर दिया ।
3.	बंदर ने मोर को नृत्य करने के लिए कैसे मनाया ?	बंदर ने मोर से कहा, “आप नृत्य करिए मैं भी आपका साथ दूँगा ।”

कक्षा कार्य : लिखित –

विद्यार्थियों के द्वारा पाठ समझ आने के बाद अध्यापक पुस्तक में दिए प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे । प्रश्न 1 में प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे । प्रश्न 2 में उचित विकल्प पर चर्चा करेंगे तब चिह्न लगवाएँगे । प्रश्न 3 में स्मृति की परीक्षा हेतु कथन के सामने वक्ता व श्रोता का नाम लिखवाएँगे । प्रश्न 4 में निर्णय क्षमता की परख हेतु सही/गलत के चिह्न लगवाएँगे । ‘कल्पना के पंख’ में दिए प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं सोचकर लिखेंगे ।

भाषा का जादू –

छात्र संज्ञा से जुड़ी क्रिया उदाहरण अनुसार लिखेंगे । प्रश्न 2 में समानार्थी शब्द व प्रश्न 3 में संज्ञा के भेद पहचानकर लिखेंगे । प्रश्न 4 में संज्ञा के साथ विशेषण लिखेंगे । चित्र देखकर अंगों के नाम लिखेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक सतत निरीक्षण करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : कार्य में कोई त्रुटि हो तो उसका साथ-साथ संशोधन करेंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने के लिए कहेंगे ।
- छात्र मोर में रंग भर कर लगाएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कहानी द्वारा प्रेरणा व मनोरंजन की प्राप्ति हुई ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी हुई ।
3. संज्ञा, क्रिया, समानार्थी शब्दों का पुनराभ्यास किया ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी भी विद्यार्थियों को देंगे । विभिन्न रंगों के नाम रंग दिखाकर बताएँगे तथा पूछेंगे । खुशी का महत्त्व बताएँगे । सभी विद्यार्थियों से एक साथ हँसने की क्रिया करवाएँगे जिसे बच्चों का मनोरंजन भी होगा ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : फूल परियाँ (कहानी)

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से सहायता, सहृदयता का संदेश देना ।
2. भाषा ज्ञान का विकास कराना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. विभिन्न फूलों की जानकारी कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
सृजनात्मक कौशल का विकास कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, विभिन्न फूलों के चित्रों का चार्ट, पॉइंटर, उत्तर-पुस्तिका, कलम, ग्लेस पेपर, कैंची, गोंद ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को पठन, वाचन का ज्ञान हो गया है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपको पार्क में कौन-कौन से फूल दिखते हैं ?	गुलाब, गेंदा, चमेली ।
2.	क्या आप पार्क में जाकर फूल तोड़ते हैं ?	नहीं, पापा ने मना किया है ।
3.	क्या आप सपना भी देखते हैं ?	हाँ, कभी-कभी देखते हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम लोग फूल परियों की कहानी सुनाएँगे जिससे आपको पता चलेगा कि हमारा व्यवहार, दूसरे के प्रति कैसा होना चाहिए ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का वाचन भाव के साथ करेंगे । जहाँ शब्दों के अर्थ बताने हैं, वहाँ दो बार बोलकर अर्थ बताएँगे । बीच-बीच में मौखिक प्रश्नों के उत्तर भी पूछते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक के वाचन के पश्चात् पाठ को पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक के साथ विद्यार्थी कठिन शब्दों को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : छात्रों द्वारा उच्चारण में कोई अशुद्धि हो तो, शिक्षक उसे सुधारेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक पाठ का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताएँगे कि परियों के अहंकार के कारण ईश्वर ने उनको पृथ्वी पर फूल बनाकर भेज दिया । जब परियों ने धरती के दुख-दर्द देखे तब उनको अपनी गलती का एहसास हुआ । कहानी के अंत में पता चलता है कि यह कहानी अंशू द्वारा देखा स्वप्न था । जिसके कारण उसे भी जीवन का अर्थ समझ आ गया था । अध्यापक छात्रों की जानकारी हेतु विभिन्न पुष्पों के चित्र दिखाकर उनके नाम भी बताएँगे तथा पाठ से संबंधित शब्दों के पर्यायवाची शब्द, शब्दों के साथ जुड़ने वाले विशेषण शब्दों के विषय में भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. फूलों का उपयोग कहाँ-कहाँ हो सकता है ?
2. परियों को किस बात का अहंकार था ?
3. इस कहानी से आपने क्या सीखा ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेंगे । विद्यार्थी उनको पढ़कर उनका अर्थ लिखेंगे । इसी प्रकार अध्यापक द्वारा बोले गए शब्दों की वर्तनी भी श्यामपट्ट पर लिखेंगे ।
- अध्यापक लघु प्रश्न लिखेंगे, विद्यार्थी उनके उत्तर श्यामपट्ट पर लिखेंगे । इसी प्रकार रिक्त स्थानों में छात्र शब्द पूर्ति करेंगे ।
- अध्यापक कुछ वाक्य लिखेंगे विद्यार्थी उसमें से विशेषण शब्द छाँटकर उनके नीचे रेखा खींचेंगे ।
- अवलोकन कार्य** : जिस समय विद्यार्थी कार्य करेंगे, अध्यापक कार्य का विधिवत निरीक्षण करेंगे । त्रुटियों का संशोधन भी कराएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: फूल परियाँ
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	गुलाब ने चमेली से क्या पूछा ?	गुलाब ने चमेली से पूछा कि हम लोग पृथ्वी पर रहना चाहते हैं, तुम क्या चाहती हो ।
2.	अंशू को देखकर सभी फूल क्यों सहम गए ?	अंशू को देखकर सभी फूल इसलिए सहम गए थे क्योंकि वे आपस में बातें कर रहे थे इसी बीच अंशू आ गया था ।
3.	फूलों की देखभाल कौन करता था ?	फूलों की देखभाल अंशू के मम्मी-पापा करते थे ।

कक्षा कार्य : लिखित –

अध्यापक जब आश्वस्त हो जाएँगे कि विद्यार्थी अभ्यास कार्य के प्रश्नोत्तर कर सकते हैं वे पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को पूरा कराएँगे ।

प्रश्न 1 में पाठ में दिए प्रश्नोत्तर छात्र स्वयं करेंगे । आवश्यक हुआ तो अध्यापक से परामर्श लेंगे ।

प्रश्न 2 में अध्यापक सही विकल्प चुनने में विद्यार्थियों को निर्देश देंगे ।

प्रश्न 3 में उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान पूरे करेंगे ।

प्रश्न 4 में सही/गलत के चिह्न लगाएँगे ।

प्रश्न 5 अध्यापक छात्रों को इस विषय में जानकारी देंगे तब कार्य पूरा कराएँगे ।

प्रश्न 6 छात्रों की कल्पना शक्ति को विकसित करेगा । छात्र स्वयं प्रश्न का उत्तर लिखेंगे ।

भाषा का जादू –

छात्र प्रश्न 1 शब्दों के पर्यायवाची लिखेंगे ।

प्रश्न 2 में विशेषण शब्द खोजकर चिह्नित करेंगे ।

प्रश्न 3 संज्ञा के भेद बताएँगे ।

प्रश्न 4 में फूलों को पहचानकर उनके नाम से जोड़ेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत् निरीक्षण करते रहेंगे ।

त्रुटि संशोधन : अध्यापक कक्षा कार्य में हुई त्रुटियों का साथ-साथ सुधार करेंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ दोहराएँगे ।
- कठिन शब्द याद करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा एक सार्थक संदेश प्राप्त हुआ ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी हुई ।
3. वाक्य विन्यास की जानकारी हुई ।
4. अभिव्यक्ति व सृजनशक्ति की वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. अध्यापक फलों से संबंधित विशेष जानकारी छात्रों को देंगे ।
2. क्रियात्मक कार्य कराने के लिए स्वयं ग्लेज पेपर को काटकर चित्रानुसार गुलाब का पुष्प बताएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : मेरे दादा-दादी जी

कवयित्री : कुंकुम चतुर्वेदी

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को परिवार और बुजुर्गों के प्रति संवेदनशील बनाना ।
2. नवीन शब्दों व कविता की लय से परिचित कराना ।
3. व्याकरण का सामान्य ज्ञान कराना ।
4. गणितीय योग्यता का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी कविता पढ़ने में समर्थ हैं । वे दादा-दादी जैसे रिश्तों की पहचान रखते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपके परिवार में कितने सदस्य हैं ?	दादा-दादी, मम्मी-पापा और मैं ।
2.	आपके दादा आपके साथ कैसे समय बिताते हैं?	दादा जी मेरे साथ खेलते और पढ़ते भी हैं ।
3.	दादी घर में क्या करती हैं ?	वे खाना बनाती, पूजा करती और बुनाई करती हैं ।

उद्देश्य कथन : आज हम एक कविता का पाठ करेंगे, जिसके माध्यम से हम जानेंगे कि परिवार में दादा-दादी का कितना महत्त्व व जरूरत है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक लय के साथ कविता का पाठ करेंगे । कठिन शब्दों के अर्थ बताएँगे तथा उच्चारण स्पष्ट करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए कविता को दोहराएँगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक के साथ विराम चिह्नों को ध्यान रखते हुए अध्यापक, छात्रों को कविता की लय के साथ बोलना सिखाएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि उच्चारण की अशुद्धियाँ हो तो अध्यापक उसका सुधार करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : अध्यापक पाठ के अर्थ बताने से पूर्व छात्रों से बातचीत करते हुए कविता का मूलभाव स्पष्ट करेंगे । तत्पश्चात् कविता का अर्थ बताएँगे । शब्दों के समानार्थी, विलोम तथा तुकांत शब्द बताएँगे । देशज शब्द और विदेशी भाषा के शब्दों का अंतर भी स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. आपके घर में कौन आपको कहानी सुनाता है ?
2. क्या आपके दादा—दादी दूसरे शहर में रहते हैं ?
3. यदि वे आपके साथ रहते हैं तो आप उनकी कैसे सेवा करते हैं ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक श्यामपट्ट पर एक पंक्ति लिखेंगे, छात्र आकर उसे पूरा करेंगे । शब्दों को लिखकर उसके अर्थ अध्यापक छात्रों से लिखवाएँगे । लघु उत्तरीय प्रश्न लिखकर उसके उत्तर विद्यार्थियों से लिखवाएँगे । इसी प्रकार कुछ शब्दों को विद्यार्थी लिखेंगे, अध्यापक उनकी वर्तनी की जाँच करेंगे । यदि अशुद्धि हुई तो सुधार करवाएँगे । श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर सभी छात्रों को देंगे । त्रुटियों का सुधार भी करवाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : कार्य करते हुए अध्यापक सभी छात्रों का सतत निरीक्षण करेंगे । आखिरी बेंच पर बैठे छात्रों पर विशेष ध्यान देंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : मेरे दादा—दादी जी का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का ज्ञान हो चुका है ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	दादा जी क्या खोज रहे हैं ?	दादा जी अपना चश्मा खोज रहे हैं ।
2.	टिन्नू और टिन्नी को कहानी कौन सुनाता है ?	टिन्नू और टिन्नी को कहानी दादी सुनाती हैं ।
3.	दादी को किसकी फ़िक्र रहती है ?	दादी को अपने बेटे की फ़िक्र रहती है ।

कक्षा कार्य : लिखित –

अध्यापक विद्यार्थियों से पुस्तक में दिए प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखवाएँगे। प्रश्न 1 में दिए प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में लिखवाएँगे। प्रश्न 2 में उचित विकल्प पर सही का चिह्न लगाएँगे। प्रश्न 3 में लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर तथा प्रश्न 4 में कविता की अगली पंक्ति लिखेंगे। 'कल्पना के पंख' के अंतर्गत छात्र स्व विवेक से प्रश्न का उत्तर लिखेंगे।

भाषा का जादू –

समानार्थक शब्द जैसे घर-गृह तथा तुकांत शब्द जैसे सयानी-नानी, विदेशी भाषा के शब्द जैसे पार्क तथा चित्र के साथ दिए रिक्त स्थान में विलोम शब्द जैसे नया-पुराना लिखेंगे। गणितीय प्रश्न को अध्यापक पहले मौखिक रूप से हल करवाएँगे।

अवलोकन कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य अपने पर्यवेक्षण में ही करवाएँ।

त्रुटि संशोधन : त्रुटियों का सुधार साथ-साथ करवाएँगे।

गृह कार्य :

- अध्यापक कविता को कंठस्थ करने का निर्देश देंगे।
- संपूर्ण कार्य को दोहराने का कार्य देंगे।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता द्वारा मानवीय संबंधों के मूल्य को समझा।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ।
3. व्याकरण के नियमों का ज्ञान प्राप्त हुआ।
4. कविता द्वारा स्मरण क्षमता का विकास हुआ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. अध्यापक ये भी जानिए के अंतर्गत विशेष जानकारी छात्रों को देंगे।
2. रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दिए गए कार्य को स्व विवेक से छात्र हल करेंगे।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	गद्य	1	45 मिनट

प्रकरण : कबड्डी

सामान्य उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को खेल और शारीरिक गतिविधियों के प्रति आकर्षित कराना ।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।
4. रचनात्मक कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
कबड्डी खेल के नियमों से परिचित कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, विभिन्न खेलों के चित्रों से युक्त चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को विभिन्न खेलों के नाम ज्ञात हैं तथा उनको विषय में रुचि है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	मैदान में खेले जाने वाले किन्हीं तीन खेलों के नाम बताएँ ।	क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी
2.	क्या आपने कभी कबड्डी का खेल देखा है ?	हाँ, टी.वी पर देखा है ।
3.	इस खेल के विषय में बताएँ ।	इस खेल में एक खिलाड़ी साँस रोक कर दूसरे पाले में जाता है ।

उद्देश्य कथन : हाँ, ये साँस को रोक कर रखने और चुस्ती-फुरती का खेल है । आज हम इस खेल से आपका परिचय कराएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे । कठिन शब्दों का उच्चारण स्पष्टतः करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन क्रमवार करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : जिन शब्दों की वर्तनी कठिन हैं उनको अध्यापक के साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धि का सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : इस पाठ के माध्यम से कबड्डी के खेल के नियमों और लाभों से अध्यापक परिचित कराएँगे । अध्यापक चार्ट दिखाकर विभिन्न खेलों के नाम बताएँगे । हरजीत सिंह जो रौनक के पिता हैं वे कबड्डी का खेल होते दिख रुक जाते हैं । रौनक जब जिज्ञासा वश पूछता है तब हरजीत विस्तार से बताते हैं । तभी दो खिलाड़ी रौनक को खेल के विषय में जानकारी देते हैं ।

बोध प्रश्न :

1. रौनक अपने पिता के साथ किस काम से जा रहा था ?
2. क्या आप जानते हैं कि खिलाड़ी क्या कहते हुए दूसरे पाले में जाते हैं ?
3. हरजीत ने संजीवन और विद्यांत को क्यों धन्यवाद दिया ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों में से कुछ छात्रों को एक-एक कर बुलाएँगे और श्यामपट्ट पर कुछ शब्दों को लिखने का निर्देश देंगे । इसी प्रकार अगले छात्र को अन्य कुछ शब्द । जहाँ त्रुटि दिखेगी उसे उसी समय श्यामपट्ट पर सुधार कर दिखाएँगे । इसी प्रकार कठिन शब्दों के अर्थ, बहुवचन तथा विलोम शब्द लिखवाएँगे । लघु उत्तरीय प्रश्न तथा वाक्य प्रयोग भी अलग-अलग छात्रों से कराएँगे । इस प्रकार पाठ का पुनराभ्यास हो जाएगा ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय छात्र श्यामपट्ट पर कार्य कर रहे होंगे, अध्यापक अन्य छात्रों का निरीक्षण भी करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : पाठ 'कबड्डी' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ समझ आ गया है । वे पढ़ने, लिखने में सक्षम हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	रौनक ने मार्ग में क्या देखा ?	रौनक ने मार्ग में एक मैदान देखा जहाँ कबड्डी का खेल हो रहा था ।
2.	खेल देखते हुए रौनक को कौन मिला ?	खेल देखते हुए रौनक को संजीवन और विद्यांत नाम के दो खिलाड़ी मिले ।
3.	कबड्डी के कोर्ट की लम्बाई व चौड़ाई कितनी होती है ?	कबड्डी के मैदान की लंबाई 13x10 होती है ।

कक्षा कार्य : **लिखित** – अध्यापक जब आश्वस्त हो जाएँगे कि छात्र पाठ समझ गए हैं, वे पुस्तक में अभ्यास कार्य करवाएँगे । अध्यापक प्रश्न 1 में प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे । छात्र प्रश्न 2 में सही विकल्प चुनकर चिह्न लगाएँगे । प्रश्न 3 में लघु प्रश्नों के उत्तर तथा प्रश्न 4 में किसने, किससे कहा मैं वक्ता, श्रोता का नाम लिखवाएँगे । ‘कल्पना के पंख’ के अंतर्गत दिए प्रश्न पर छात्रों के लिखने से पूर्व चर्चा अवश्य करेंगे ।

भाषा का जादू – अध्यापक विलोम शब्द, बहुवचन, काल, रिक्त स्थान में लिखवाएँगे । कबड्डी खेलने से लाभ पर अध्यापक छात्रों को जानकारी देंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य करने के समय अध्यापक छात्रों का सतत निरीक्षण करेंगे । यदि किसी छात्र को असुविधा होगी तो उसकी सहायता करेंगे ।

त्रुटि संशोधन : त्रुटियों का साथ-साथ सुधार करवाते जाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- शब्दों की वर्तनी, शब्दों के अर्थ याद करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के द्वारा एक प्राचीन भारतीय खेल का ज्ञान प्राप्त हुआ ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. व्याकरण के ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. खेलों के द्वारा विभिन्न लाभों का ज्ञान प्राप्त हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. अध्यापक ये भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी को छात्रों को देंगे । संभव हुआ तो दृश्य श्रव्य माध्यम से कबड्डी को समग्र खेल छात्रों को दिखाएँगे ।
2. रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दिए चित्रों के विषय में बताते हुए कार्य पूरा कराएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	2	हिंदी	कविता	1	45 मिनट

प्रकरण : होली का त्योहार (कविता)

कवयित्री : कुंकुम चतुर्वेदी

सामान्य उद्देश्य

1. होली के त्योहार की जानकारी प्राप्त कराना ।
2. कविता का आनंद प्राप्त कराना ।
3. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

होली के अतिरिक्त अन्य पर्वों की जानकारी उपलब्ध कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, विभिन्न पर्वों के चित्र का चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को होली के पर्व की जानकारी है । वे इस पर्व का आनंद ले चुके हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आपको कौन सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है ?	होली/दीवाली/ईद क्रिसमस
2.	क्या आप जानते हैं कि पर्व दो प्रकार के होते हैं – राष्ट्रीय तथा धार्मिक पर्व । किसी राष्ट्रीय पर्व का नाम बताएँ ?	स्वतंत्रता दिवस
3.	होली का पर्व सरदियों में मनाया जाता है या गरमी के मौसम में ?	‘होली’ तब मनाते हैं जब न सरदी होती है न गरमी ।

उद्देश्य कथन : होली का पर्व फागुन के महीने में फरवरी/मार्च में पड़ता है । हम इस पर्व के विषय में बताने का उद्देश्य होली का महत्त्व और आपसी प्रेम और मेल-मिलाप को बढ़ाना है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन : पाठ 'होली के त्योहार' का सामान्य परिचय देकर कविता का पाठ करेंगे ।

अनुकरण वाचन : छात्र कविता को अध्यापक की भाँति दोहराएँगे ।

सस्वर वाचन : अध्यापक के साथ विद्यार्थी भी पाठ का सस्वर वाचन करेंगे ।

उच्चारण संशोधन : यदि कहीं उच्चारण की अशुद्धि होगी तो अध्यापक संशोधन करते जाएँगे ।

स्पष्टीकरण : अध्यापक होली मनाने से जुड़ी कथा से छात्रों को परिचित कराएँगे । पर्व से जुड़े सौहार्द के विषय में भी बताएँगे । तत्पश्चात् कविता का भाव स्पष्ट करेंगे कि यह पर्व मिलजुलकर मनाया जाने वाला पर्व है । इस दिन हम अपने बैर भाव को भूलकर पुनः नई शुरुआत कर सकते हैं । इस पर्व पर विभिन्न पकवान बनते हैं । शिक्षक उन पकवानों के विषय में बताएँगे । कुछ शब्दों के अर्थ, समानार्थी बताएँगे साथ ही शब्दों के वर्ण विच्छेद, शब्दों के जोड़े बनाने का भी ज्ञान देंगे । ये भी स्पष्ट करेंगे कि होली के पर्व को हमें शालीनता से मनाना चाहिए तथा ऐसे रंग प्रयोग करें जैसे फूलों से बने रंग न कि कीचड़ और रासायनिक रंग का प्रयोग करें ।

बोध प्रश्न :

1. होली के पर्व से एक दिन पहले क्या किया जाता है ?
2. होली पर किस प्रकार के रंग प्रयोग करने चाहिए ?
3. रंग डालने से पूर्व हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पहले शब्दों की शुद्ध वर्तनी लिखने का अभ्यास छात्रों से करवाएँगे । तत्पश्चात् शब्दों के अर्थ, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, वर्ण विच्छेद, शब्दों के जोड़े बनाने का अभ्यास छात्रों से करवाएँगे । रिक्त स्थान पूर्ति, वाक्य रचना, तथा विशेषण शब्दों की पहचान, तुकांत शब्द बनाने का व लघु प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखवाने का अभ्यास क्रमानुसार करवाएँगे । अध्यापक प्रत्येक छात्र को कार्य करने का अवसर देंगे । अशुद्धियों का सुधार भी श्यामपट्ट पर करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट पर कार्य करने वाले छात्रों के अलावा प्रत्येक छात्र की संलग्नता तथा अधिगम का निरीक्षण करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण : होली का त्योहार का अभ्यास कार्य ।

सामान्य उद्देश्य : पूर्ववत

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत

सहायक सामग्री : पूर्ववत

शिक्षण विधि : पूर्ववत

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ, उसके अर्थ व उद्देश्य का पूर्ण ज्ञान हो गया है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	होली को रंगों का त्योहार क्यों कहते हैं ?	होली को रंगों का त्योहार इसलिए कहते हैं क्योंकि होली पर सभी एक दूसरे से प्रेम से मिलते तथा रंग डालते हैं ।
2.	गप्पू और कायरा छत से क्यों नहीं उतर रहे ?	गप्पू और कायरा रंग लगाने के डर से छत से नहीं उतर रहे ।
3.	पापा की टोली आते ही क्या हुआ ?	पापा की टोली ने सब पर रंग डालना शुरू कर दिया । चाचा, मामा सब टब में डुबोए जाने लगे ।

कक्षा कार्य : लिखित –

अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को विद्यार्थियों से पूरा करवाएँगे ।

प्रश्न 1 में प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे ।

प्रश्न 2 में सही विकल्प चुनकर चिह्नित करने का निर्देश देंगे ।

प्रश्न 3 में रिक्त स्थान पूर्ति करवाएँगे ।

प्रश्न 4 में वाक्य रचना करवाएँगे ।

‘कल्पना के पंख’ में अध्यापक दिए प्रश्नों की चर्चा करें तब लिखवाएँगे ।

भाषा का जादू –

वर्ण विच्छेद, समानार्थी शब्द, शब्दों के जोड़े तथा विशेषण चिह्नित करने के कार्य छात्र पूर्वाभ्यास (श्यामपट्ट पर) के आधार पर स्वयं करेंगे ।

प्रश्न 5 का उत्तर स्वविवेक से देंगे ।



- अवलोकन कार्य** : विद्यार्थी जब कार्यरत हों, अध्यापक सतत निरीक्षण करें । उनकी असुविधा को धैर्यपूर्वक दूर करेंगे व सुधार भी करेंगे ।
- अशुद्धि संशोधन** : अध्यापक सुधार कार्य साथ-साथ करवाएँगे ।
- गृह कार्य** :
- कविता को कंठस्थ करवाएँगे ।
 - समस्त कार्य को विद्यार्थी दोहराएँगे ।
 - होली का एक चित्र छात्र बनाकर कक्षा में सॉफ्ट बोर्ड पर प्रदर्शित करेंगे । जिसका चित्र सबसे अच्छा हो उसे अध्यापक पुरस्कृत करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. भारतीय संस्कृति से जुड़े पर्व का ज्ञान हुआ ।
2. प्रथा व परंपराओं का ज्ञान हुआ ।
3. भाषा ज्ञान की वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मक कौशल में अभिवृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

1. यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी छात्रों को देंगे ।
2. रचनात्मक कौशल में दिए चित्रों के विषय में छात्रों से ही पूछेंगे । वे स्वयं उत्तर देंगे ।